डिजिटिल भुगतान इंटेलजिेंस प्लेटफॉर्म

[स्रोत: इंडियिन एक्सप्रेस](#)

RBI ने **डिजिटिल भुगतान इंटेलजिेंस प्लेटफॉर्म** स्थापति करने के प्रस्ताव पर विचार करने के लयि **ए.पी. होता (A.P. Hota)** की अध्यक्षता में एक समिति गठति की है, जो **भुगतान धोखाधड़ी के जोखमि को कम करने हेतु** उन्नत प्रौद्योगकियिों का उपयोग करेगी।

- मार्च 2024 को समाप्त छह महीनों में घरेलू भुगतान धोखाधड़ी 70.64% बढ़कर 2,604 करोड़ रुपए हो गई, मामलों की संख्या 11.5 लाख से बढ़कर 15.51 लाख हो गई।

अन्य प्रस्ताव:

- **थोक जमा सीमा बढ़ाई गई:** RBI ने **वाणज्यिकि बैंकों** और **लघु वति्त बैंकों** के लयि थोक जमा की सीमा 2 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 3 करोड़ रुपए करने की योजना बनाई है, जबकि स्थानीय क्षेत्र के बैंकों हेतु यह सीमा 1 करोड़ रुपए नरि्धारति की गई है।
    - यह बैंकों को उनकी आवश्यकताओं और परसिंपत्ति-देयता प्रबंधन (Asset-Liability Management- ALM) अनुमानों के आधार पर ब्याज दरें नरि्धारति करने में लचीलापन भी प्रदान करता है।
- **स्वचालति ई-मैन्डेट:** RBI ने ई-मैन्डेट ढाँचे के तहत फास्टैग और NCMC के लयि **स्वचालति शेष राशि पुनःपूर्ति** की अनुमति देने की योजना बनाई है, जसिमें 24 घंटे की पूर्व-डेबटि अधसिूचना की आवश्यकता से छूट दी गई है।
- **UPI लाइट ई-मैंडेट:** RBI ने **UPI लाइट** को ई-मैंडेट ढाँचे में एकीकृत करने की योजना बनाई है, जसिसे वॉलेट में शेष राशि उपयोगकर्त्ता द्वारा नरि्धारति सीमा से कम हो जाने पर स्वचालति रूप से पुनः लोड हो जाएगा, जसिसे अतरिक्ति प्रामाणीकरण या प्री-डेबटि नोटफिकिेशन की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।
- **नरि्यात-आयात मानदंड: भारतीय रज़िर्व बैंक प्रकर्याओं को सरल बनाने तथा इसमें शामलि सभी लोगों** के लयि व्यापार को आसान बनाने हेतु वस्तुओं और सेवाओं के नरि्यात एवं आयात के नयिमों को अद्यतन करने की योजना बना रहा है।

और पढ़ें: **डिजिटिल सार्वजनकि अवसंरचना**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/digital-payments-intelligence-platform